# THE SPARROWS OF AGRA

AKBAR BIRBAL TALES

# आगरा की गौरइए

अकबर और बीरबल की कहानियाँ



# The Sparrows of Agra

# आगरा की गौरइए

## अकबर और बीरबल की कहानियाँ



Tales of Akbar & Birbal

Birbal was one of the gems in Emperor Akbar's court. He used his wit to help others and his fame had spread far and wide.

Yet, there were many who were jealous of him.

बादशाह अकबर के दरबार के बीरबल उनके मंत्री रत्नों में से एक थे. बीरबल ने अपनी बुद्धि का उपयोग दूसरों की मदद करने के लिए किया था, इसलिए उनकी प्रसिद्धि दूर-दूर तक फैल गई थी.

फिर भी, ऐसे कई लोग थे जो बीरबल से ईर्ष्या करते थे.



**Chand was one such man. He saw how much Akbar liked Birbal and he thought, "I am more learned than anybody in the kingdom. I should be given Birbal's place."**



चाँद एक ऐसा ही आदमी था. उसने देखा कि अकबर, बीरबल को कितना पसंद करते थे और चाँद ने सोचा, "मैं इस राज्य में किसी से भी अधिक विद्वान हूं. असल में मुझे ही बीरबल की जगह मिलनी चाहिए."



Chand decided that he would ask Birbal a very difficult question.

"When he fails to answer it, he will have to resign and I will become Akbar's favourite," he thought laughing to himself.

फिर चाँद ने बीरबल को हराने के लिए उससे एक बहुत ही कठिन प्रश्न पूछने का निश्चय किया.

"जब बीरबल उसका उत्तर नहीं दे पाएगा, तो उसे इस्तीफा देना होगा और फिर मैं अकबर का पसंदीदा बन जाऊंगा," चाँद ने मन-ही-मन हंसते हुए सोचा.

He went to Akbar's court and challenged Birbal.

"Birbal!" he called, "Can you tell me how many sparrows there are in Agra? You must give me the exact number."

फिर चाँद, अकबर के दरबार में गया और उसने बीरबल को चुनौती दी.

“बीरबल!” उसने कहा, "क्या तुम मुझे बता सकते हो कि आगरा शहर में कितनी गौरइए हैं? तुम्हें उनकी बिल्कुल सटीक संख्या बतानी होगी."



**Everybody in the court, including Akbar was puzzled.**

**"How can anybody count the number of sparrows?" they wondered.**

प्रश्न सुनकर अकबर सहित बाकी दरबारी काफी हैरान हुए.

"कोई गौरइयों को भला कैसे गिन सकता था?"

उन्हें आश्चर्य हुआ.



**However Birbal wasn't worried at all.**

**He calmly replied, “Give me time till tomorrow. In the morning, I will definitely give you the answer.”**

हालाँकि, बीरबल उस प्रश्न से बिल्कुल भी चिंतित नहीं हुए.

उन्होंने शांति से कहा, "मुझे कल तक का समय दें, मैं सुबह आपके प्रश्न क उत्तर अवश्य दूंगा."



The next day, everyone had gathered in the court to hear Birbal's answer.

Akbar asked, "Well Birbal, can you tell us the number of sparrows in Agra?"

अगले दिन बीरबल का उत्तर सुनने के लिए सभी लोग दरबार में एकत्र हुए.

अकबर ने पूछा, "अच्छा बीरबल, अब बताओ कि आगरा शहर में कितनी गौरइए हैं?"

**Birbal smiled as he said, "There are exactly 19,537 sparrows! You can count for yourself and check."**

बीरबल ने मुस्कुराते हुए कहा, "आगरे में कुल 19,537 गौरइए हैं! आप चाहें तो खुद गिनकर उसकी जांच कर सकते हैं."

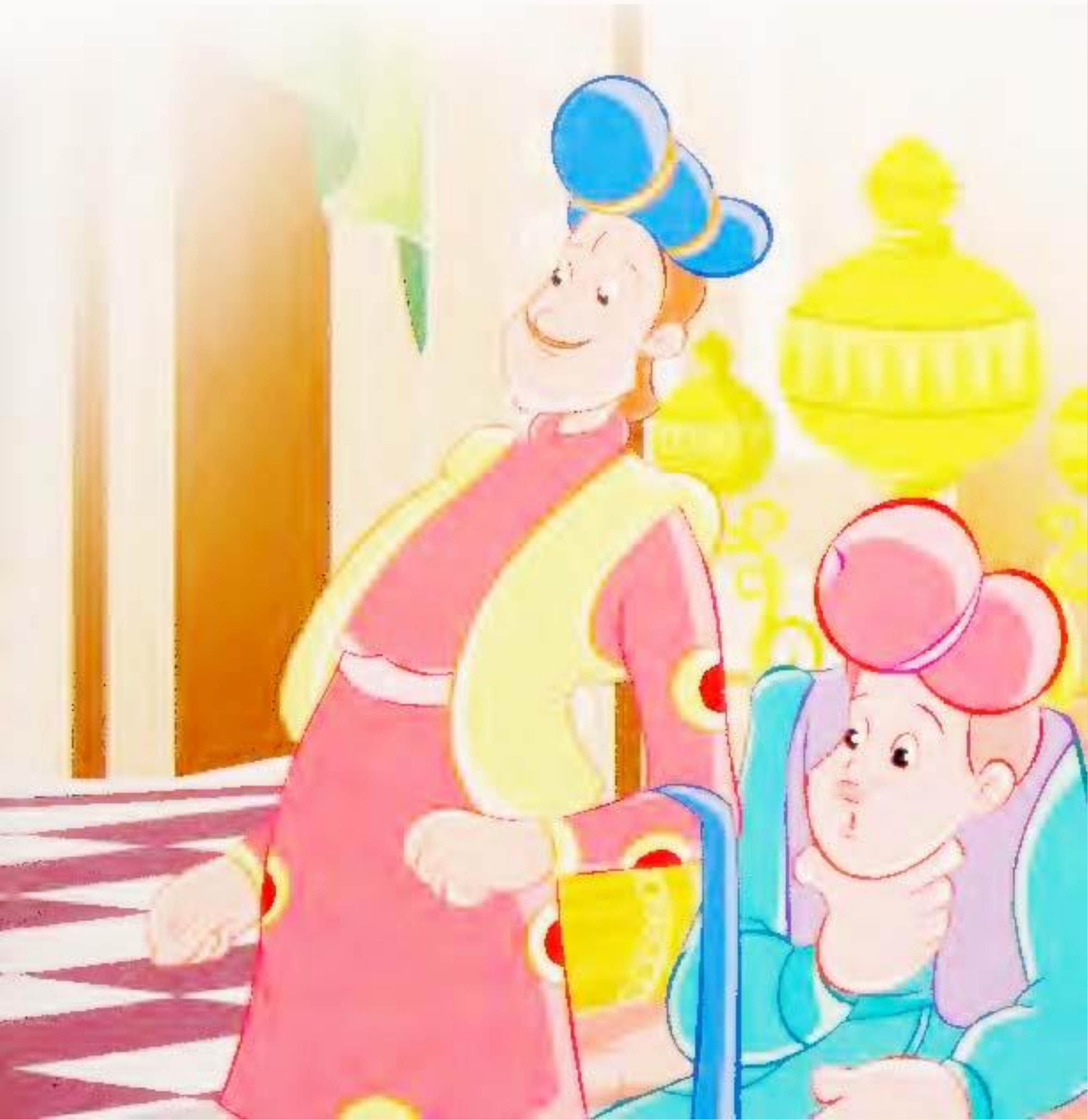


**Chand knew he could never count all the sparrows and he refused to believe him.**

**"How can you say that?" he demanded. "There may be more or less."**

चाँद जानता था कि बीरबल कभी भी सभी गौरइयों की गिनती नहीं कर सकता था इसलिए उसने बीरबल के आँकड़े पर विश्वास करने से इनकार कर दिया.

"तुम इतना सटीक उत्तर कैसे दे सकते हो?" चाँद ने पूछा. "गौरइयों की संख्या इससे कुछ कम-ज़्यादा भी हो सकती है."



"No, there are exactly 19,537 sparrows," said Birbal. He continued, "If there are less, it means that sparrows from the city have left to visit other places."

"नहीं, वास्तव में आगरे में 19,537 गौरइए ही हैं," बीरबल ने कहा. उन्होंने आगे कहा, "अगर कम हों तो उसका मतलब होगा कि शहर की कुछ गौरइए दूसरी जगहों पर उड़ गई होंगी."



**Akbar smiled. "And what if there are more sparrows?" he asked.**

**"Oh, those are the sparrows from different cities that have come to visit their relatives here!" Birbal replied immediately.**

अकबर मुस्कुराया. "और यदि 19,537 से अधिक गौरइए हुईं तो क्या होगा?" राजा ने पूछा.

"तो वो अलग-अलग शहरों की गौरइए होंगी जो यहां आगरे में अपने रिश्तेदारों से मिलने आई होंगी!" बीरबल ने तुरंत उत्तर दिया.



**The whole court laughed at Birbal's clever answer.**

**Chand had to accept defeat and agree that Birbal was indeed the wisest man in the kingdom.**



बीरबल के चतुराई भरा जवाब सुनकर पूरा दरबार हंस पड़ा.

चाँद को अपनी हार स्वीकार करनी पड़ी और सहमत होना पड़ा कि बीरबल वास्तव में राज्य का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति था.

अंत